डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www.awajdarpan.com पर पढ़ें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक १५ रविवार ३१ मार्च से ०६ अप्रैल २०२४ मूल्य तीन-रुपये

कभी यूपी में मुख्तार अंसारी की तूती बोलती थी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के हिस्से में कभी माफिया मुख्तार अंसारी की तूती बोलती थी। गाजीपुर, मऊ, वाराणसी समेत कई जिलों में उसका असर होता था और राजनीति में जब उसने एंट्री की तो 5 बार विधायक चुना गया। यही नहीं मुख्तार अंसारी के परिवार का गाजीपुर में ऐसा दबदबा रहा है कि उनके भाई अफजाल अंसारी भी सांसद रहे। गुरुवार की रात को बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी का हार्ट अटैक से निधन हो गया। इसके साथ ही दशकों तक माफिया राज चलाने वाले मुख्तार अंसारी भी अतीत हो गए। इससे पहले बीते साल 15 अप्रैल को पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी।

यह हत्या सरेआम मीडिया के कैमरों के सामने हुई थी और दर्जनों पुलिसवालों की सुरक्षा में तब हुई, जब दोनों माफिया भाइयों को मेडिकल के लिए लाया गया था। अतीक अहमद की तो सरेआम हत्या हुई थी, लेकिन मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। परिवार का कहना है कि उन्हें धीमा जहर दिया गया था। हालांकि 2017 से अब तक का आंकड़ा देखें तो लिस्ट काफी लंबी है। अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी तो अपराध की दुनिया के बड़े नाम थे और राजनीति में आने के चलते ज्यादा चर्चित थे। लेकिन कई ऐसे गैंगस्टरों की भी एनकाउंटरों में मौत हो गई, जो कई जिलों की पुलिस के लिए सिरदर्द बने हुए थे।

मुख्तार अंसारी की मौत के साथ ही गाजीपुर समेत कई जिलों में प्रभाव रखने वाले माफिया का अंत हो गया है। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय पर 500 गोलियां मारकर कत्ल किया गया था। इस कांड में मुख्तार अंसारी का नाम सामने आया था और इस मामले में उन्हें दोषी भी ठहराया गया। ऐसे जघन्य अपराधों के मुख्तार पर कई दर्जन मामले दर्ज थे।

अतीक अहमद– इलाहाबाद से सांसद रहे अतीक अहमद का कद एक दौर में राजनीति में आने के चलते इतना बढ़ गया था कि प्रयागराज से लेकर कानपुर तक उसका असर था। विधायक राजू पाल की हत्या के बाद अतीक अहमद के सितारे गर्दिश में आ गए थे। फिर बीते साल ही जब राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल का मर्डर हुआ तो चर्चा फिर से तेज हो गई। अंत में 15 अप्रैल, 2023 को अतीक अहमद को पुलिस सुरक्षा में ही तीन बदमाशों ने उसकी हत्या कर दी।

मुन्ना बजरंगी की भी बागपत की जेल में जुलाई 2018 में हत्या हो गई थी। उसकी हत्या में गैंगस्टर सुनील राठी का नाम सामने आया था। बड़ी बात यह है कि मुन्ना बजरंगी भी मुख्तार अंसारी गैंग का ही सदस्य था। जौनपुर में जन्मे मुन्ना का असली नाम प्रेम प्रकाश सिंह था। शुरुआती दिनों में कालीन बुनने का काम करने वाले मुन्ना बजरंगी ने वापाणसी में सर्राफा व्यापारी की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद बाहुबली और नेता मुख्तार अंसारी के गैंग में एंट्री कर ली।

संजीव जीवा– मुख्तार अंसारी गैंग से ही जुड़े रहे और पश्चिम यूपी में अपराध का बड़ा नाम रहे संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की बीते साल जून में हत्या कर दी गई थी। उसकी यह हत्या कोई सुनसान इलाके में नहीं बल्कि भरी अदालत में हुई थी। उसे लखनऊ सिविल कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। इसी दौरान उस पर हमला हुआ था।

विकास दुबे– अपराध की दुनिया में विकास दुबे भले ही कानपुर और उसके आसपास में बड़ा नाम हो गया था, लेकिन उसकी चर्चा पूरे यूपी और देश में तब हुई, जब उसने अपने गांव में सीओ समेत 8 पुलिस वालों की हत्या करा दी थी। यह कांड तीन जुलाई 2020 को हुआ था। इसके बाद विकास दुबे फरार हो गया और पूरे सूबे में लोगों में उबाल था। 9 जुलाई को उसे उज्जैन से पुलिस ने अरेस्ट किया था। फिर 10 तारीख को कानपुर पहुंचने से ठीक पहले वह पुलिस की हिरासत से भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस के मुताबिक ऐसा तब हुआ, जब उसे लेकर आ रही गाड़ी पलट गई थी। वह जब भागने की कोशिश करने लगा तो पुलिसकर्मियों से मुठभेड़ में मारा गया।

अतीक अहमद की हत्या से ठीक पहले 13 अप्रैल को ही उसके बेटे असद को भी यूपी पुलिस ने झांसी में एनकाउंटर में मार गिराया था। उमेश पाल हत्याकांड में वह वांछित और उस पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अतीक अहमद के पूरे परिवार दर्ज मामलों को जोड़ा जाए तो उनकी संख्या 160 के करीब है।

अनिल दुजाना का खौफ बुलंदशहर, नोएडा जैसे यूपी के पश्चिमी इलाकों में था। उस पर 75 हजार रुपये का इनाम घोषित था, जिसे बीते साल मई में यूपी एसटीएफ ने मार गिराया था। 36 साल की उम्र के अनिल दुजाना पर 62 केस चल रहे थे। गैंगस्टर दुजाना पर दर्ज 62 मामलों में 18 मर्डर समेत रंगदारी, लूटपाट, जमीन पर कब्जा, कब्जा छुड़वाना और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। उस पर रासुका और गैंगस्टर ऐक्ट भी लगे थे।

उदयभान यादव उर्फ गौरी यादव का नाम भले ही ज्यादा चर्चित नहीं था, लेकिन यूपी और एमपी के बुंदेलखंड इलाके में उसका खौफ था। 5 लाख रुपये के इनामी बदमाश को बीते साल चित्रकूट में मार गिराया गया था। चित्रकूट, मानिकपुर, सतना जैसे इलाकों में वह ऐक्टिव था। यही नहीं एक दौर में कुख्यात रहे डकैत ददुआ के साथ भी वह काम कर चुका था।

रविवार को खुला रहेगा बैंक

संवाददाता–संतकबीरनगर। वित्तीय वर्ष 2023–24 की समाप्ति को देखते हुए डीएम ने रविवार को स्टेट बैंक खोले जाने के निर्देश दिए हैं। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने एसबीआई के शाखा प्रबंधक खलीलाबाद व मेंहदावल को पत्र जारी कर कहा है कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है व 31 मार्च को रविवार है। ऐसे में 31 मार्च को अत्यधिक लेनदेन होना स्वाभाविक है। इसलिए शासकीय कार्य करने वाले सभी बैंक शाखाओं व कोषागारों को 31 मार्च को खोला जाना आवश्यक है। उन्होंने बैंक को देर रात तक खोले जाने के निर्देश दिए हैं ताकि सरकारी कार्य में कोई कठिनाई न आए।

600 नामी–गिरामी वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (आभा)। देशभर के करीब 600 नामी–गिरामी वकीलों द्वारा सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को लिखी गई चिट्ठी पर पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा है कि दूसरों को डराना–धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत अनेक वकीलों ने सीजेआई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि एक निहित स्वार्थ वाला समूह श्बेकार के तर्कों और घिसे–पिटे राजनीतिक एजेंडाश के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वकीलों की चिट्ठी को लेकर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा, 'पांच दशक पहले ही उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था। वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।' बता दें कि भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को 26 मार्च को लिखे गए पत्र में कहा गया है, श्इउनकी दबाव की रणनीति राजनीतिक मामलों में, विशेषकर उन मामलों में सबसे ज्यादा स्पष्ट होती है जिनमें भ्रष्टाचार की आरोपी राजनीतिक हस्तियां होती हैं। ये रणनीतियां हमारी अदालतों के लिए हानिकारक हैं और हमारे लोकतांत्रिक ताने–बाने को खतरे में डालती हैं।'

आधिकारिक सूत्रों द्वारा साझा किए गए पत्र में बिना नाम लिए वकीलों के एक वर्ग पर निशाना साधा गया है और आरोप लगाया गया है कि वे दिन में राजनेताओं का बचाव करते हैं और फिर रात में मीडिया के माध्यम से न्यायाधीशों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। पत्र में कहा गया है कि यह समूह अदालतों के कथित बेहतर अतीत और सुनहरे दौर की झूठी कहानियां बनाता है और इसकी तुलना वर्तमान में होने वाली घटनाओं से करता है। पत्र में दावा किया गया है कि उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य अदालतों को प्रभावित करना और राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें असहज करना है। श्न्यायपालिका पर खतरारू राजनीतिक और पेशेवर दबाव से न्यायपालिका को बचानाश शीर्षक वाले पत्र को लिखने वाले करीब 600 अधिवक्ताओं में आदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होला और स्वरूपमा चतुर्वेदी के नाम शामिल हैं।

यूं तो वकीलों ने पत्र में किसी विशिष्ट मामले का उल्लेख नहीं किया है, लेकिन यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब अदालतें विपक्षी नेताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के कई बड़े आपराधिक मामलों से निपट रही हैं। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनके नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है, वहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस आरोप का खंडन किया है। इन विपक्षी पार्टियों ने, जिनमें कुछ जाने–माने वकील भी शामिल हैं, ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हालिया गिरफ्तारी के खिलाफ हाथ मिलाया है। पत्र लिखने वाले वकीलों ने कहा है कि इस समूह ने 'बेंच फिक्सिंग' की पूरी कहानी गढ़ी है जो न केवल अपमानजनक है बल्कि अदालतों के सम्मान और गरिमा पर आघात है। पत्र के अनुसार, 'ये लोग अपनी अदालतों की तुलना उन देशों से करने के स्तर तक चले गए जहां कानून का कोई शासन नहीं है।श्इ इन अधिवक्ताओं ने कहा है कि इन आलोचकों का रवैया कुछ ऐसा है कि जिन फैसलों से वे सहमत होते हैं, उनकी तारीफ करते हैं, लेकिन उनकी असहमति वाले किसी भी फैसले की वे अवमानना करते हैं।

कांग्रेस ने वकीलों के एक समूह द्वारा प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखे जाने पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान को पाखंड की पराकाष्ठा करार देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में चीजों को तोड़ने–मरोड़ने, ध्यान भटकाने और लोगों को बदनाम करने का काम किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि हाल के हफ्तों में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कई झटके दिए हैं और चुनावी बॉन्ड योजना इसका एक उदाहरण है। रमेश ने श्एक्सश पर पोस्ट किया, श्न्यायपालिका की रक्षा के नाम पर, न्यायपालिका पर हमले की साजिश रचने और इसमें समन्वय करने में प्रधानमंत्री की बेशर्मी पाखंड की पराकाष्ठा है। हाल के हफ्तों में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें कई झटके दिए हैं। चुनावी बॉण्ड योजना तो इसका एक उदाहरण है।श्इ कांग्रेस नेता ने दावा किया, श्इ उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड को असंवैधानिक घोषित कर दिया और अब यह बिना किसी संदेह के साबित हो गया है कि यह (बॉण्ड) कंपनियों को भाजपा को दान देने के वास्ते मजबूर करने के लिए भयभीत करने, ब्लैकमेल करने और धमकी देने का एक जबरदस्त साधन था।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम
डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

मुख्तार अंसारी की मौत से उठते सवाल

मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। ऐसे समय में जबकि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है निश्चित रूप से राजनीतिक रूप से भी इसका प्रभाव पड़ेगा इसमें संदेह नहीं। जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की गुरुवार रात उत्तर प्रदेश के बांदा के एक अस्पताल में मौत हो गई। गैंगस्टर के परिवार का दावा है मुख्तार को जेल में धीमा जहर दिया जा रहा था। हालांकि, इन आरोपों को जिला अधिकारियों ने सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि दिल का दौरा पड़ने से मुख्तार अंसारी की मौत हुई है। हत्या के दोषी मुख्तार अंसारी को बेहोशी की हालत में जेल से बांदा के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज लाया गया था। मऊ सदर से पांच बार विधायक रहे मुख्तार अंसारी के खिलाफ 60 आपराधिक मामले लंबित थे। वह साल 2005 से जेल में थे।

उत्तर प्रदेश प्रशासन ने कई जिलों में आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 को लागू कर दिया है। बांदा, मऊ, गाजीपुर और वाराणसी में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। यूपी पुलिस ने गुरुवार को कहा कि ऑनलाइन गैरकानूनी तत्वों पर कड़ी नजर रखने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है। गाजीपुर के एसपी ओमवीर सिंह ने कहा कि चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि लोगों को एकत्र होने की इजाजत नहीं होगी।

वहीं मऊ पुलिस ने कहा, 'धारा 144 पहले से ही लागू है। सभी से शांति बनाए रखने और सोशल मीडिया के जरिए फैलाई जा रही किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की जा रही है। चूंकि आज जुमे की नमाज अदा की जाएगी, इसलिए जिले भर के सभी संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। स्थिति शांतिपूर्ण है, कोई समस्या नहीं है। मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने दावा किया कि उनके पिता ने उन्हें बताया था कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, ष्मेरे पिता ने हमें बताया था कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा है। मुख्तार अंसारी ने अपने वकीलों के माध्यम से अदालत को लिखित रूप में सूचित किया था कि उनके साथ ये चीजें हो रही हैं।

मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी ने दावा किया कि उन्हें उचित चिकित्सा उपचार नहीं मिला। सिबगतुल्लाह अंसारी ने कहा, ष्ह 18 मार्च से बहुत अस्वस्थ थे और बार–बार इस बात को उठाने के बावजूद उन्हें कोई इलाज नहीं दिया जा रहा था। 25–26 मार्च की रात को उनकी हालत बहुत खराब थी, इसलिए औपचारिक रूप से उन्हें कुछ देर के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया। उसके बाद उन्हें वापस भेज दिया गया और कहा गया कि उनकी हालत स्थिर है। उन्हें कोई इलाज नहीं दिया गया।

इस बीच मुख्तार अंसारी के इशारे पर मारे गए कृष्णानंद राय की पत्नी अलका राय ने वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की। उन्होंने कहा, 'मुझे क्या कहना चाहिए? यह ऊपरवाले का आशीर्वाद है। मैं उनसे न्याय की प्रार्थना करती थी और आज न्याय मिल गया। घटना (हत्या) के बाद हमने कभी होली नहीं मनाई, मुझे लगा कि आज हमारे लिए होली है। कृष्णानंद राय हत्या मामले में मुख्तार अंसारी के वकील दीपक शर्मा ने दावा किया कि उनके वकीलों ने एक आवेदन दायर किया था जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, श्श्मीडिया और सरकार का कहना है कि उनकी मृत्यु कार्डियक अरेस्ट से हुई लेकिन हम तब तक कुछ नहीं कह सकते जब तक हमें रिपोर्ट नहीं मिल जाती। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया मौत की असली वजह हार्ट अटैक नहीं लग रही है... दो दिन पहले उनके वकीलों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए अर्जी दी थी कि उन्हें धीरे–ध ीरे जहर दिया जा रहा है। मुख्तार अंसारी की मौत पर समाजवादी पार्टी प्रमुख और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने यूपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने दावा किया, 'जो सरकार जीवन की रक्षा नहीं कर सकती, उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकारी अराजकता के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। यह यूपी में कानून–व्यवस्था का शून्यकाल है।' बसपा अध्यक्ष मायावती ने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा, 'जेल में मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उनके परिवार द्वारा लगातार जताई जा रही आशंकाओं और गंभीर आरोपों की उच्च स्तरीय जांच की जरूरत है, ताकि उनकी मौत के सही तथ्य सामने आ सकें। बीजेपी नेता हरि सहनी ने कहा कि गैंगस्टर की मौत बीमारी से हुई है। उन्होंने कहा, 'बीमारी के कारण उनकी मौत हुई...अब इसे इतना बढ़ा–चढ़ाकर पेश करने का क्या मतलब है... बिहार में एक पुजारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई, लेकिन उन्हें (सपा और बसपा को) इसके लिए आवाज उठाना उचित नहीं लगा, हालांकि, उस व्यक्ति (मृतक मुख्तार अंसारी) के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए थे और अब जब हृदय गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई, अब इसके लिए उनके (सपा और बसपा) मन में बहुत दर्द है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जन मानस इस घटना को किस रूप में लेगा और चुनाव परिणामों पर भी क्या प्रभाव पड़ेगा।

केजरीवाल की गिरफ्तारी और जनतंत्र

–विश्वनाथ सचदेव–

दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार होंगे, यह सब जानते थे। सवाल सिर्फ कब गिरफ्तार होंगे का था। अब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। यह शब्द लिखे जाने तक उन्हें जमानत नहीं मिली है, और इसी तरह की पहली गिरफ्तारियों को देखते हुए यही लग रहा है कि जमानत आसान नहीं है। ईडी सरकार के इशारों पर काम करती है, इस आशय के आरोप लगाने वाले यह भी कह रहे हैं कि आम–चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करके केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष के एक कद्दावर नेता को चुप करने का काम किया है। पिछले एक अर्से से जिस तरह विपक्ष के नेताओं को कमजोर बनाने की कोशिश हो रही है, उसे देखते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर न तो आश्चर्य व्यक्त किया जा सकता है, और न ही यह कहा जा सकता है कि यह गिरफ्तारी अप्रत्याशित थी। यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि इस समय ही यह गिरफ्तारी क्यों हुई, चुनाव से ठीक पहले हुई इस गिरफ्तारी से मतदाता को एक संदेश तो मिलता ही है कि गिरफ्तार होने वाले ने कुछ तो गलत किया ही है। वहीं शायद केजरीवाल भी गिरफ्तारी का राजनीतिक लाभ उठाने की उम्मीद में बैठे थे वह स्वयं को पीड़ित दिखाकर मतदाता की सहानुभूति की उम्मीद कर ही सकते हैं।

मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए किसी को इस तरह गिरफ्तार किए जाने की भले ही यह पहली घटना हो, पर झारखंड के मुख्यमंत्री को भी लगभग इसी तरह कमजोर बनाया गया था। यह सही है कि गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र देकर अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बना दी थी, पर मामला यहीं तक सीमित नहीं था। सवाल मुख्यमंत्री की इस तरह की गई गिरफ्तारी के राजनीतिक संकेतों का है। किसी केजरीवाल अथवा किसी सोरेन ने कोई अपराध किया है तो उसे सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन ऐसी किसी कार्रवाई के मंतव्य को समझने की भी आवश्यकता होती है। जिन स्थितियों में और जिस तरीके से ऐसी कार्रवाई हुई है, या हो रही है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि इस सबके पीछे विपक्ष को कमजोर बनाने और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हो रही है। सरकार यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि ईडी, सीबीआई, इनकमटैक्स जैसी संस्थाओं को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त है और उनके कामकाज में सरकार दखलंदाजी नहीं करती। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के ही एक माननीय न्यायाधीश ने कभी सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' कहा था! सत्ता की राजनीति में तब और आज कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखाई देता। देखा यह जा रहा है कि जन–समर्थन राजनीतिक नेतृत्व को एकाधिकारवादी बना देता है, बना रहा है!

जनतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव का होना या चुनाव में जीतना ही पर्याप्त नहीं होता। चुनावों का सही तरीके से होना, चुनाव में भाग लेने के लिए सबको समान और उचित अवसर मिलना जनतंत्र के औचित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज जो स्थितियां देश में बनती जा रही हैं, वे, दुर्भाग्य से, इस आशय का कोई आश्वासन नहीं दे रही हैं। किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री का गिरफ्तार होना एक कथित आरोपी मात्र का गिरफ्तार होना नहीं होता। यदि किसी ने कोई अपराध किया है तो उसे अपने किए की सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन यदि सजा देने के नाम पर किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जाती है तो उसे उचित नहीं माना जा सकता। इसीलिए यह सवाल उठता है कि किसी केजरीवाल या किसी सोरेन को चुनाव से ठीक पहले ही गिरफ्तार करना क्यों जरूरी समझा गया?

यहां सवाल जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का भी है। यह कहना तो गलत होगा कि देश में जनतांत्रिक मूल्यों का पराभाव हो चुका है, लेकिन जनतंत्र को नये अर्थ देने की कोशिशों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। समय पर चुनाव होने अथवा किसी नेता की लोकप्रियता के आधार पर जनतंत्र की सफलता अथवा औचित्य को नहीं नापा–परखा जा सकता। जनतंत्र का अर्थ होता है नागरिक के अधिकारों, और कर्तव्यों का भी, संरक्षण।

इसके साथ ही मजबूत विपक्ष की महत्ता को समझा जाना भी जरूरी है। जनतंत्र में विपक्ष का काम मात्र आलोचना करना नहीं होता, विपक्ष को ईमानदार, सजग चौकीदार की भूमिका भी निभानी होती है। विपक्ष की सतत जागरूकता जनतंत्र के सफल और सार्थक होने की पहली और जरूरी कसौटी है। लेकिन, दुर्भाग्य से हम अपने देश में विपक्ष को लगातार कमजोर किए जाने की कोशिशों को होता देख रहे हैं। संदेह होता है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्षहीन जनतंत्र की कोशिश में ही तो नहीं लगा?

विपक्ष के मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी अथवा उन पर कार्रवाई किए जाने की लटकती तलवार से यह संशय होना स्वाभाविक है कि हमारा ताकतवर सत्तारूढ़ पक्ष कहीं विपक्षहीनता की स्थिति लाने की जुगाड़ में तो नहीं है? जिस तरह विपक्ष की सरकारों को कमजोर करने या काम न करने देने की स्थिति में लाने की कोशिशें होती दिख रही हैं, वह अच्छा संकेत तो नहीं ही है। जिस तरह दल–बदल को बढ़ावा दिया जा रहा है और जिस तरह से सरकारों को तोड़ा गया या उन्हें तोड़े जाने की कोशिशें हो रही हैं, वह जनतंत्र की दृष्टि से अच्छा संकेत नहीं है। किसी लोकप्रिय नेता का अहंकार भी जनतंत्र की मूल भावना के विपरीत ही होता है।

दस साल पहले जब भाजपा सत्ता में आयी थी तो उसने कांग्रेस–मुक्त भारत का नारा दिया था। इस नारे में कहीं कुछ गलत नहीं था। लेकिन जब किसी एक राजनीतिक दल से मुक्ति के बजाय समूचे विपक्ष से मुक्त जनतंत्र की बात कही जाती है, अथवा इसके प्रयास होते दिखते हैं तो सत्तारूढ़ पक्ष की मंशा पर शक होना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी, राज्यपालों द्वारा विपक्षी सरकारों के काम में अड़ंगा डालना, दल– बदल के लिए लालच देना, विपक्ष को काम न करने देना जैसे उदाहरण यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि जनतंत्र की मूल भावना पर आघात हो रहे हैं। यह आने वाले खतरों का संकेत है। जनतंत्र चुनाव से चुनाव तक की प्रक्रिया का नाम नहीं है। चुनाव समय पर हों, यह एक शर्त है स्वस्थ जनतंत्र की, लेकिन एकमात्र शर्त नहीं। स्वस्थ और समर्थ जनतंत्र का तकाजा है कि जनतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हो। जैसे न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए, वैसे ही जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव भी सम्मान किये जाने की प्रक्रिया के होते हुए दिखने की भी अपेक्षा करता है। आज जो कुछ हो रहा है उसे देखते हुए इस खतरे की आशंका स्वाभाविक है कि कहीं हम चुनावी एकाधिकारवाद की तरफ तो नहीं बढ़ रहे?

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जब आजमगढ़ में योगी के काफिले पर हुआ था हमला

लखनऊ (आभा)। यूपी में योगी की सरकार बनते ही माफिया मुख्तार अंसारी और उसके परिवार के लिए दुर्दिन शुरू हो गए थे। अपने अपराधों की सजा से बचने के लिए उसने पंजाब की शरण ली और वहां की जेल में मौज काट रहा था। सीएम योगी ने उसे यूपी लाकर सजा दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ी। जीत हासिल की और मुख्तार को बांदा की उसी जेल में रखा जहां गुरुवार की रात उसकी मौत भी हो गई। आखिर एक माफिया के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट तक क्यों चली गई और तीन दशक तक किए गए उसके एक–एक अपराध के लिए कोर्ट दर कोर्ट क्यों इतनी संजीदगी से पैरवी करते हुए सजा दिलाती गई। इसके पीछे की कहानी जानने के लिए 18 साल पीछे जाना होगा।

साल 2005 में मुख्तार अंसारी के इलाके मऊ में दंगा हो गया था। कर्फ्यू के बीच ही मुख्तार अंसारी खुली गाड़ी में दंगे वाले इलाकों में घूमता रहा। उस पर दंगा भड़काने का आरोप भी लगा था। तब योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से सांसद हुआ करते थे। योगी ने मुख्तार अंसारी को चुनौती दी थी और कहा था कि वह मऊ दंगे के पीड़ितों को इंसाफ दिलाकर रहेंगे। वह गोरखपुर से मऊ के लिए निकल भी पड़े थे, लेकिन तब न तो यूपी में बीजेपी की सरकार थी और न ही योगी की कोई खास पैठ थी। योगी आदित्यनाथ को मऊ में घुसने ही नहीं दिया गया था। उन्हें दोहरीघाट में ही रोककर लौटा दिया गया।

तीन साल बाद फिर योगी को मौका मिला और 2008 में मुख्तार अंसारी को फिर चुनौती दी थी। योगी ने हिंदू युवा वाहिनी के नेतृत्व में ऐलान किया कि वह आजमगढ़ में रैली निकालेंगे। सात सितंबर 2008 को डीएवी डिग्री कॉलेज के मैदान में रैली का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता योगी आदित्यनाथ थे। रैली की सुबह गोरखनाथ मंदिर से करीब 40 वाहनों का काफिला निकला। आजमगढ़ के तकिया इलाके में योगी की गाड़ी पर अचानक पथराव होने लगा। हवा में फायरिंग भी शुरू हो गई। योगी के गनर ने भी गोलियां चलाईं। इसमें एक युवक की मौत से मामला और बिगड़ गया। गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई।

हमला सुनियोजित था। योगी ने उसी समय कहा था कि हम इस लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। जिसने भी गोली मारी है अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी तो गोली मारने वालों को उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा। उनका सीधा इशारा मुख्तार अंसारी की तरफ था। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा की सरकार बनने पर दोषियों से निबटा जाएगा। सूबे में भाजपा की सरकार संयोग से योगी के ही नेतृत्व में बनी। सरकार बनते ही उन्होंने सबसे पहले सूबे के माफियाओं को कसना शुरू किया। उनके निशाने पर मुख्तार अंसारी आ गया। वह भागकर पंजाब की जेल में चला गया। लेकिन उसका पैंतरा काम नहीं कर सका। योगी सरकार सुप्रीम कोर्ट में लड़कर मुख्तार को यूपी खींच लाई और गुनाहों की सजा का दौर शुरू करा दिया।

लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे पर उतरेंगे लड़ाकू विमान

लखनऊ (आभा)। सात साल बाद एक बार फिर लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर लड़ाकू विमान करतब दिखाएंगे। बांगरमऊ के पास खंभौली गांव के पास बनी हवाई पट्टी पर एयरफोर्स के सुखोई, जगुआर और मिराज–17 समेत अन्य लड़ाकू विमान उतरेंगे। संभावित कार्यक्रम के अनुसार 6 अप्रैल को लैंडिंग परीक्षण के बाद सात अप्रैल को तीन घंटे संपूर्ण रिहर्सल होगी। एयरफोर्स के अधिकारियों ने एक अप्रैल से 10 अप्रैल तक हवाई पट्टी के साढ़े तीन किमी क्षेत्र को रिजर्व करने का नोटिफिकेशन जिले के अधिकारियों को भेजा है। एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना ने बताया कि छह व सात अप्रैल को किसी भी वाहन को एक्सप्रेस–वे पर बांगरमऊ सीमा में नहीं जाने दिया जाएगा। 01 से 10 अप्रैल तक आगरा से लखनऊ व लखनऊ से आगरा जाने वाले भारी व हल्के वाहनों को डायवर्ट कर सर्विस लेन से निकाला जाएगा। हवाई पट्टी के क्षेत्र को पूरी तरह से ब्लॉक रखा जाएगा।

यूपीडा को टोल प्लाजा पर अनाउंसमेंट के जरिए वाहन चालकों को लड़ाकू विमानों के रिहर्सल की जानकारी देकर दूसरे मार्ग से गुजरने के लिए निर्देश दिए जाएं। कानपुर के चकेरी एयरफोर्स स्टेशन के अधिकारी आग्रह पर पुलिस हवाई पट्टी के आसपास सुरक्षा बंदोबस्त कर रही है। रूट डायवर्जन से सबसे अधिक परेशानी बंगाल और बिहार के साथ पूर्वांचल से दिल्ली जाने–आने वालों को होगी। वाहनों को निकालने के लिए रूट की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

छह व सात अप्रैल को सुखोई, मिराज, जगुआर एमआइ 17, कैरियर एयरक्रॉफ्ट हरक्यूलिस सी समेत 14–15 विमानों के एक्सप्रेस–वे की हवाई पट्टी पर उतरने की संभावना जताई जा रही है। इसका मकसद आपातकालीन स्थिति में लड़ाकू विमानों की लैंडिंग का अभ्यास है। यह अभ्यास तीसरी बार होगा। इससे पहले 21 नवंबर 2016 को एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण और 24 अक्तूबर 2017 को उद्घाटन के समय लड़ाकू विमानों की लैंडिंग हुई थी।

आयकर विभाग ने नोटिस देकर कांग्रेस से मांगा 1823 करोड़

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका दिया है। आईटी डिपार्टमेंट ने टैक्स रिटर्न में कथित विसंगतियों के लिए 1823.08 करोड़ रुपये का भुगतान करने का नया नोटिस उसे जारी किया है। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव से पहले 'कर आतंकवाद' (टैक्स टेररिज्म) के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है।

पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आरोप लगाया जिन मापदंडों के आधार पर कांग्रेस को जुर्माने के नोटिस दिए गए हैं उन्हीं के आधार पर भारतीय जनता पार्टी से 4600 करोड़ रुपये से आधिक के भुगतान की मांग करनी चाहिए। माकन ने संवाददाताओं से कहा, फ्कल हमें आयकर विभाग से 1823.08 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए नया नोटिस मिला। पहले ही आयकर विभाग ने हमारे बैंक खाते से जबरन 135 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु किया जा रहा है। अजय माकन ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले समान अवसर की स्थिति को खत्म करने के लिए यह सब किया जा रहा है।

आयकर अधिकारियों द्वारा 210 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने और उसके बैंक खातों को 'फ्रीज' करने के कारण कांग्रेस पहले से ही धन की कमी का सामना कर रही है। पार्टी को मामले में उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली है और वह जल्द ही उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।

पार्टी ने भाजपा पर 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले उसे आर्थिक रूप से पंगु बनाने और उसके खिलाफ कर अधिकारियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

सहायक निदेशक बने बस्ती के मयंक

संवाददाता–बस्ती। मयंक मिश्र का भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद में सहायक निदेशक पद पर चयन होने पर प्रसन्नता है।

जनपद के कप्तानगंज विकासखण्ड के संसाधन विहीन गाँव मे वर्ष 2001 में ब्राह्मण परिवार मे एक बालक मयंक का जन्म हुआ। मयंक बचपन से ही कुशाग्र थे। गृह शिक्षा के बाद मयंक कक्षा 5 एमडीए कप्तानगंज, कक्षा6 एवं 7 रिपब्किक स्कूल कप्तानगंज, कक्षा 8 से बारहवीं तक माँ गायत्री इंटर कालेज कप्तानगंज से किया। बिना किसी कोचिंग के स्वाध्याय से ही मयंक मिश्र को मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्व विद्यालय गोरखपुर मे दाखिला मिल गया और वे यहीं से मैकेनिकल इंजीनियरीग मे प्रथम श्रेणी में बी टेक की डिग्री ली। वर्तमान में आई आई टी गोहाटी से मयंक मिश्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स ट्रेड से एमटेक अंतिम सेमेस्टर के छात्र है इसी बीच गेट परीक्षा के द्वारा मयंक मिश्र को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद में सहायक निदेशक पद पर चयन हो गया है। मयंक आगामी दो अप्रैल को चेन्नई में पदभार ग्रहण कर प्रशिक्षण के लिए चले जाएंगे। मयंक के पिता घनश्याम मिश्र पेशे से किसान हैं और पढ़े लिखे हैं खेती किसानी से निपट कर वे कुछ बच्चो को गणित विषय का ट्यूशन भी देते हैं। मयंक अपनी सफलता का श्रेय माता पिता, व सभी शिक्षकों को देते है।

बस्ती लोकसभा से चुनाव मैंदान में उतरेंगे ठाकुर प्रेमनन्दबंशी

संवाददाता–बस्ती। लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज होने लगी है और निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बस्ती से बहुजन समाज पार्टी किसे प्रत्याशी घोषित करती है। अनेकों नाम चर्चा में हैं और इस बीच राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेमनन्दबंशी का नाम भी चर्चा में है। ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यदि बसपा से उन्हें अवसर मिलता है तो वे जीत के लिये पूरी ताकत झोंक देंगे। नाई समाज को उसका राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक हक दिलाने और सर्व समाज की सेवा के उद्देश्य से वे चुनाव मैंदान में उतर सकते हैं। ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने कहा कि पढे लिखे शिक्षित समाज के युवा जब राजनीति में आयेंगे तभी राजनीतिक उद्देश्य पूरे होंगे और गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों, बेरोजगारों की आवाज सदन तक पहुंच सकेगी। उनका राजनीति में आने का उद्देश्य सामाजिक हिस्सेदारी दिलाना और उन सपनों को पूरा करना है जिसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देखा था। 26 वर्षीय बीएससी, एमएससी, बी.एड. ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने कहा कि वे राजनीति में जीविका के लिये नहीं वरन बदलाव के लिये आयें हैं। यदि बसपा ने उन्हें किन्ही कारणों से मौका न दिया तो वे समान विचारधारा वाले राजनीतिक दल से चुनाव मैंदान में उतरेंगे जिससे राजनीति के माध्यम से वे मुद्दों को जनता के बीच पहुंचा सके।

रामपुर में 12 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द

रामपुर (आभा)। रामपुर में आजम खान के करीबी आसिम रजा समेत 12 प्रत्याशियों का पर्चा खारिज हो गया है। आसिम रजा ने भी बतौर सपा प्रत्याशी नामांकन किया था। उनके नामांकन के साथ पार्टी का सिंबल नहीं था।

सपा ने यहां से बुधवार को ही प्रत्याशी का फैसला किया और दिल्ली के इमाम महीबुल्लाह नदवी को मैदान में उतारा है। आसिम राज का नामांकन रद होने से सपा ने राहत की सांस भी ली है। अब यहां सपा से केवल एक ही प्रत्याशी नदवी मैदान में हैं। इसी तरह मुरादाबाद में एसटी हसन का नामांकन भी रद हो गया है।

केजरीवाल ने कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली (आभा)। कथित शराब घोटाले मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुरी तरह फंस चुके हैं। उन्हें ना जमानत मिल रही है और ना ही अभी तक क्लीन चिट मिलने के कोई संकेत दिख रहे हैं। इस बीच गुरुवार को जब राउज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई तो अरविंद केजरीवाल ने अपने बचाव में कई दलीलें पेश कीं। उनकी तरफ से यहां तक कहा गया कि सिर्फ कुछ लोगों के बयान के आधार पर एक सिटिंग सीएम को ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया गया।

अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट के सामने कई मौकों पर बोला उन तमाम आरोपियों को छोड़ दिया गया या उन्हें जमानत मिल गई जब उन्होंने केस में उनका नाम लिया। तर्क दिया गया कि कई आरोपियों ने पिछले बयानों में उनका कोई जिक्र नहीं किया, लेकिन अंत में जैसे ही उनका नाम लिया गया, तुरंत राहत दे दी गई। केजरीवाल ने कहा कि आरोपी शरत रेड्डी ने बीजेपी को 55 करोड़ का चंदा दिया और तभी उसे जमानत मिल गई। सीएम ने दो टूक बोला कि आम आदमी पार्टी को बर्बाद करना ईडी का मकसद है।

सीएम केजरीवाल शराब घोटाले के पैसों को लेकर भी एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आरोप लग रहा है कि 100 करोड़ रुपये लिए गए। लेकिन जस्टिस संजीव खन्ना का एक आदेश है, जिसमें इस आरोप को भी संदिग्ध रखा गया है। सीएम आगे कहते हैं कि शरत रेड्डी 9 में से 8 बार अपने किसी बयान में रिश्वत का जिक्र नहीं करता, लेकिन 9वें बयान में मेरा नाम लेता है और जमानत मिल जाती है।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में स्पाइन सर्जरी कर बचाया महिला की जान

संवाददाता–बस्ती । श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि पूर्वान्चल के मरीजों की आवश्यकता को देखते हुये हास्पिटल को मल्टी हास्पिटल के रूप में निरन्तर विकसित किये जा रहे हैं। जनपद में हार्ट और न्यूरो चिकित्सकों की बेहद आवश्यकता है, इस दिशा में श्रीकृष्णा मिशन ने प्रदेश के अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सकों से सहयोग मांगा है। न्यूरो के चिकित्सक अपनी सेवायें दे रहे हैं। बताया कि हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. राजकुमार आर्य ने 30 वर्षीया किरन चौधरी पत्नी दिनेश चौधरी जनपद महराजगंज की सफल स्पाइन सर्जरी कर मरीज को नया जीवन दिया। बताया कि श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल की यह बड़ी उपलब्धि है। अब हड्डीरोग से जुड़े जटिल रोगों का सफल इलाज संभव है और मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा। उनका अपने जनपद में ही उच्च कोटि का इलाज हो जायेगा। इसी कड़ी में वरिष्ठ सर्जन डा. अमित नायक ने 50 वर्षीया किसमता देवी निवासी लालगंज के पित्त की थैली से लगभग 50 एम.एम. की पथरी निकालकर सफल आपरेशन किया।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि कोरोना काल के बाद से ही हास्पिटल को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और सुयोग्य चिकित्सकों से समृद्ध किया जा रहा है।

यही नहीं केन्द्र और प्रदेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओं आयुष्मान भारत और कैशलेश चिकित्सा की पूरी सुविधा हास्पिटल में उपलब्ध है। बसन्त चौधरी ने जानकारी दिया कि श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल को माडल हास्पिटल के रूप में विकसित करने का उनका उद्देश्य मानव सेवा है। इस दिशा में हास्पिटल के सुयोग्य चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी निरन्तर मरीजों और उनके परिजनों का भरोसा जीत रहे हैं। उन्होने बेहोशी के चिकित्सक डा. असरार, स्वास्थ्य कर्मी सुनील वर्मा, जितेन्द्र, अमित, राजेश के योगदान की सराहना करते हुये हौसला बढाया।

विकास से कोसो दूर गिधनी सड़क तक नसीब नहीं

संवाददाता–बस्ती । आजादी के बाद बीते 77 सालों में भारत ने विकास के पैमाने पर छलांग लगाते हुए चांद तक का सफर कर लिया , विज्ञान ने जमीन से लेकर आकाश तक अपनी तकनीकी का ईजाद किया ,स्वास्थ्य , शिक्षा , बिजली ,पानी ,सड़क की व्यवस्था के लिए हर वर्षों में काम किया गया लेकिन उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद में एक गांव ऐसा भी है जो विकास से कोसों दूर है.आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक गांव तक जाने के लिए कोई सड़क ही नही बन पाई जिसकी वजह से ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरा मामला बस्ती जनपद के सल्टौआ विकास खंड के ग्राम पंचायत बस्थनवा के राजस्व गांव गिधनी का है जहां पर चकबंदी प्रकिया की लापरवाही की वजह से गांव को आजतक सड़क ही नही मिल पाया । लोकनिर्माण विभाग की सड़क के किनारे बसे इस गांव में करीब 35 लोगों ने मकान बनाया है लेकिन हालात यह है कि सड़क से गांव में जाने के लिए खेतों का मेड़ ही एक रास्ता है ।

गांव में पत्रकारों की टीम पहुंचने के बाद गांव के दर्जनों महिलाएं एवं पुरुष अपना –अपना काम छोड़ कर एकत्रित हो गए और लोगों ने सड़क न होने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को पत्रकारों से साझा किया । गांव के जुगानी ने बताया कि किसी आपात कालीन स्थिति में गांव तक फायर ब्रिगेड या एम्बुलेंस नही पहुंच पाता है , गर्भवती महिलाओं बुजुर्गों या किसी के भी बीमार होने पर उसे चारपाई पर लादकर गांव के बाहर मुख्य मार्ग पर लाना पड़ता है । गांव की माला देवी ने बताया कि हमारे गांव में रास्ता न होने की वजह से शादी विवाह करने वाले भी मुंह फेर लेते हैं और जिसकी शादी विवाह होती है तो उसे मौसम और समय का ध्यान देकर करना पड़ता है माला देवी कहती हैं कि बरसात के मौसम में खेतों में पानी भरा रहता है और उसी पानी से होकर हम सबको बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ता है । गांव के निवासी हनुमान ने बताया कि कई बार इस सड़क के लिए शिकायत की गई लेकिन हमारी फरियाद नहीं सुनी जा रही है. गांव में आने–जाने के लिए ग्रामीणों को काफी दिक्कतें हैं. बड़े वाहन के साथ छोटे वाहन भी इस मार्ग से नहीं आ पाते हैं. शिकायत के बावजूद भी हमारी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. आखिर हम जानना चाहते हैं कि क्या हमारा गांव मानचित्र से बाहर है या फिर गांव में सड़क की व्यवस्था की जाएगी। इस मौके पर जुगानी , हरिद्वार , जवाहर ,लीलू , विश्राम ,काजू ,राजू , हनुमान , घारीदीन ,हीरा , राम शब्द , माला देवी , पुनिता देवी , नंदलाल , शिवनाथ ,अनिता देवी , कौशलिया , लकी देवी ,कलावती , चन्द्ररूप सहित पूरे गांव के लोगों ने सड़क बनाने की मांग किया ।

इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर वह चकबंदी विभाग के अधिकारियों से बात करेंगे और मार्ग से वंचित इस गांव को सड़क से जोड़ने की पहल किया जाएगा

नगर थाने का आकस्मिक निरीक्षण

संवाददाता–नगर बाजार (बस्ती) । अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बीती रात नगर थाना का आकस्मिक दौरा कर राजकीय सम्पति माल खाना अभिलेखों का निरीक्षण किया और सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि व्यवस्था को और अधिक सुदृढ बनाने के लिए नगर थाने का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राजकीय संपत्ति, मालखाना, अभिलेखों की गुणवत्ता, परिसर की साफ सफाई की चेकिंग किया।

निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, बैरक की साफ सफाई को विशेष महत्व दिया गया। साथ ही थाने पर मेस, राजकीय संपत्ति, शस्त्र–कारतूस, की स्थिति, अभिलेखों का अवलोकन व रखरखाव, सीसीटीएनएस, नक्शे, चार्ट, तख्तियां, डाकबही, गैंगचार्ट, बीट बुक, हिस्ट्रीशीटर की निगरानी, कंप्यूटरीकृत अभिलेखों के संबंध में डाटा की अद्यावधिक स्थिति, थाने पर मौजूद असलाह शस्त्र का निरीक्षण किया। थाने पर माल– मशरूका के निस्तारण, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी करने व अधिक से अधिक बीट सूचनाएं अंकित करने के निर्देशित किया गया।इस दौरान थानाध्यक्ष नगर जय वर्धन सिंह समेत तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल का 25 वां स्थापना दिवस

संवाददाता–बस्ती । गुरूवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल का 25 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नर्सरी से कक्षा 11 तक के विद्यार्थियों का अंक पत्र वितरित कर कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को ट्राफी, मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। प्रबंधक जे. पी. तिवारी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बड़े योगदान के लिये सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल की स्थापना किया गया था, यहां से पढकर निकले अनेक छात्र देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होने घोषणा किया कि नये सत्र से एकेडमी के 25 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में छात्रो से प्रवेश शुल्क नहीं लिया जायेगा। इससे अभिभावकों को अपने पाल्यों को शिक्षित करने की दिशा में और सहजता होगी।

प्रधानाचार्य श्रीमती दीपिका तिवारी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि जिन छात्रों के अंक कम आये हैं वे और बेहतर प्रयास करें और जिन्होने स्थान प्राप्त किया है वे कठिन परिश्रम कर आगे बढे। मुख्य अतिथि आर.आई. संदीप कुमार राय ने कहा कि समूचा जीवन परीक्षा है। संयम और परिश्रम से आगे बढे।

नर्सरी में अनु शक्ति, शिवाशु जोशी प्रथम, अरमान द्वितीय, अन्वी पाण्डेय तृतीय, के.जी. में विनायक, अक्षित मौर्य प्रथम, अनाया, वीर द्वितीय, अदविका, अर्नव उज्जवल तृतीय, प्रेप में आयुष, आरूष प्रथम, ज्योति, कान्हा द्वितीय, राजश्री तिवारी, शिवाय गुप्ता तृतीय,

कक्षा 1 में चन्द्रपीड प्रथम, शिवांश द्वितीय, जन्मेंजय तृतीय, कक्षा 2 में यश गुप्ता प्रथम, सौम्याराय द्वितीय, श्री तृतीय, कक्षा 3 में गरिमा पाण्डेय प्रथम, जनेरा वसीम द्वितीय, तैय्बा तृतीय, कक्षा 4 में मुस्कान राजभर प्रथम, अर्श अहमद द्वितीय, अनुषी कुमारी तृतीय, कक्षा 5 में रिया यादव प्रथम, ओजस चौधरी द्वितीय, आराध्या पाण्डेय तृतीय, कक्षा 6 में अर्चित राजभर प्रथम, तन्वीपाल द्वितीय, श्रेया गुप्ता तृतीय, कक्षा 6 में ऐन्जल गुप्ता प्रथम, आशुतोष यादव द्वितीय, प्रियाशु वर्मा तृतीय, कक्षा 8 में वैष्णवी पाल प्रथम, शिप्रा स्वर्ण द्वितीय, मानसी पासवान तृतीय, कक्षा 9 में मानवी यादव, आदि श्री गुप्ता प्रथम, सर्वेश यादव द्वितीय, शिवांश राय तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर सृष्टि, मानव, आदिश्री, खुशी, नम्रा, शिप्रा, वैष्णवी, मानसी आदि ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति के लिये कक्षा 9 में अमरनाथ और कक्षा 6 के आदित्यनाथ को पुरस्कृत किया गया। इसी कम में वर्ष भर में आयोजित होने वाले खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर सहायक निदेशिका श्रीमती सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी, अनामिका मिश्रा, शैलेन्द्र चौधरी, ईशा गिरी, प्रीती अग्रहरि, आबिद अरशद के साथ ही विद्यालय परिवार के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने योगदान दिया।

वार्षिकोत्सव में झूमा बचपन

संवाददाता–बस्ती । गुरूवार को सिटी मोंटेसरी स्कूल में विद्यालय के स्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम विद्यालय हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे प्रधानाचार्य नूपुर त्रिपाठी द्वारा सरस्वती पूजन कर प्रारंभ किया गया सरस्वती पूजन करने में विद्यालय की छात्रा हर्षिता एवं अनन्या द्वारा सरस्वती पूजन का कार्यक्रम कराया गया मां सरस्वती का पूजन करने के उपरांत कक्षा 5 के बच्चों द्वारा आए हुए सभी आगंतुकों का स्वागत स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागत गीत प्रस्तुत करने वाले बच्चों में राशि दीपशिखा नियति दिव्या शिक्षा अनन्या प्रज्वल एवं अनुराग द्वारा किया गया।

विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे ने मुख्य अतिथि विवेकानंद मिश्रा का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया। इस अवसर पर प्रबंधक अनूप खरे ने कहा सीएमएस विद्यालय बस्ती वह उत्कृष्ट विद्यालय है जो बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संस्कार भी देता है और बच्चों को कमउम्र में बच्चों को उत्कृष्ट संस्थानों में जैसे आईआईटी,इसरो जैसे संस्थानो में भेजने का प्रयास करता है आप सब ने जिस प्रकार से आज तक आशीर्वाद दिया है ऐसे भविष्य में आप सब का आशीर्वाद मिलता रहेगा यह उम्मीद है । मुख्य अतिथि विवेकानंद मिश्रा ने कहा की सिटी मोंटेसरी स्कूल शहर का एकमात्र ऐसा विद्यालय है यहां संस्कार के साथ नए–नए आविष्कार भी बच्चों को करना सिखाया जाता है हमें ऐसी जानकारी मिली है कि अभी जल्द ही विद्यालय के बच्चों द्वारा एक कोई प्रोजेक्ट बनाया गया जिसे आईआईटी दिल्ली में प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे जी का प्रयास सराहनीय है ।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता दादा विजय सेन सिंह जी प्रत्यूष विक्रम सिंह भानु मिश्रा अश्वनी श्रीवास्तव सत्येंद्र विश्वकर्मा दुर्गेश श्रीवास्तव प्रमोद कनौजिया संदीप कनौजिया मनोज मौर्य आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमो की कड़ी में बच्चों द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया । 'दिल है छोटा सा' कक्षा चार के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया भाग लेने वाले बच्चे अनन्या समरीन अदिति एवं माही रही। इतनी सी हंसी ग्रुप गीत में कक्षा 5 और 6 के बच्चे राशि और उनके सभी साथियों द्वारा प्रस्तुत किया गया । छाप तिलक गीत कक्षा 9 की छात्रा हर्षिता के द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुति के साथ गाया गया। एकल गीत ओ मेरे दिल के चौन विद्यालय की कक्षा 7की छात्रा अनन्या के द्वारा प्रस्तुत किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में बच्चों द्वारा नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया बम बम बोले जीत पर अथर्व शामिल एवं पुष्टि के द्वारा अपना नृत्य प्रस्तुत किया गया आज गली–गली अवध जीत पर दिव्या अन्य शिक्षा समृद्धि एवं अंशिका द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया साथ ही सपने रे गीत पर समर अयांश अविका रिद्धिमा आराध्य अपराजिता अंबिका जायस अजितेश वेदांत वेदांस के पूरे ग्रुप के साथ नृत्य प्रस्तुत किया गया। आए हुए सभी आगंतुकों एवं सभी अभिभावक गणों ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी कार्यक्रमों को काफी सराहा। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों में संध्या त्रिपाठी सुषमा श्रीवास्तव सूरज श्रीवास्तव श्रीराम यादव मरियम फारुकी शिखा सिंह विमला सिंह स्मिता अस्थाना शशि कला सिंह दानिश रजा आशीष कुमार अंजू सिंह नीलम यादव कृतिका मिश्रा कुमार आनंद धर्मेंद्र त्रिपाठी शिव शंकर श्रीवास्तव अखिलेश कुमार अग्रहरी हिमांशी पांडे अनूपा धनवा एनी बेसेंट टिगगा अनीशा डांग संतोष पांडे मुस्कान मद्धेशिया ऋषभ श्रीवास्तव दीपिका श्रीवास्तव विनीत मिश्रा सोनाक्षी गुप्ता शिवांगी अहाना के साथ अध्यापक गण मौजूद रहे।

अलग अलग मामलों के 11 आरोपियों को कारावास की सजा

संवाददाता–श्रावस्ती। अलग अलग मामलों के 11 आरोपियों को न्यायालय की ओर से कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही सभी आरोपियों को अर्थदंड से भी दंडित किया गया। मारपीट, गैर इरादतन हत्या व जानलेवा हमले के आरोपी शामिल हैं।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के अतरपरी निवासी बृजेश कुमार सिंह पुत्र श्याम सिंह से ट्रैक्टर ट्राली चलाते समय सड़क दुर्घटना हो गई थी। बृजेश एक ट्रैक्टर में दो ट्राली जोड़कर ले जा रहा था। हादसे के बाद व्यक्ति की मौत हो गई थी। सोनवा थाने में आरोपी के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। मामला न्यायालय में विचाराधीन चल रहा था। शुक्रवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए दो वर्ष साधारण करावास की सजा सुनाई गई। साथ ही छह हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह थाना इकौना में दर्ज धारदार हथियार से हमला करने व मार–पीट मामले के सात आरोपियों छोटके पुत्र गिरजा प्रसाद, पदुमनाथ पुत्र दृगराज, खुल्ले उर्फ पंकज पुत्र दृगराज, राजेन्द्र प्रसाद पुत्र झगरू, रामदेव पुत्र रामदुलारे, अनिल कुमार पुत्र रामदेव व प्रमोद कुमार पुत्र रामदेव निवासीगण महदेइया थाना इकौना को तीन– तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही 19 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। कोतवाली भिनगा में लाठी–डण्डा व धारदार हथियार से हमला करने के दर्ज मामले के तीन आरोपियों हीरालाल पुत्र अवधराम उर्फ रामअवध, किशोरी लाल पुत्र अवधराम उर्फ रामअवध व त्रिलोकी पुत्र रामलखन निवासीगण गौड़रा को तीन–तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता–बस्ती । गुरुवार को कप्तानगंज कस्बे मे संचालित माँ गायत्री कान्वेंट स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम धूम धाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी इंजि वीरेंद्र कुमार मिश्र थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने मां सरस्वती के पावन चित्र पर पूजन आर्चन एवं माल्यार्पण करके किया। फिर विद्यालय के बच्चो ने सरस्वती वंदना गणेश वंदना स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भाषण, डांस, कव्वाली, नाटक आदि की प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा का आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में विद्यालय के निदेशक डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने आए हुए समस्त अतिथियों अभिभावकों का आभार प्रकट कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की। इस मौके पर अशोक कुमार मिश्र (प्रबंधक), राज कुमार पांडेय, मनोज तिवारी, शनि यादव, हरिओम तिवारी अंबेश्वरी त्रिपाठी ज्योति सिंह विभा पांडे डॉ जितेंद्र मौर्य प्रेमचंद मिश्र, राम रतन, सेलिना राघवेंद्र त्रिपाठी दिलीप यादव अजय सिंह विजय सेन त्रिपाठी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अयोध्या उडुपी किचन में श्रद्धालु दक्षिण भारतीय व्यंजनों का उठा सकेंगे लुप्त

संवादाता–अयोध्या। नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने रामलला के पक्ष में फैसला सुनाया और सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया और ट्रस्ट ने मंदिर निर्माण प्रारंभ कर दिया 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्री राम लला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए जिसमें देश के प्रधानमंत्री के साथ–साथ पूरे विश्व से साधु संत उद्योगपति फिल्म जगत के लोग प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए और उसके साथ–साथ निरंतर अयोध्या में उनका आना जारी रहा मंदिर निर्माण के सथ–साथ अयोध्या एक बड़े उद्योग का हब बनता जा रहा है क्योंकि एक लाख से अधिक लोग प्रतिदिन अयोध्या में आ रहे है। इसी को देखते सेवा और उद्योग के लिए पूरे विश्व के लोग अयोध्या के तरफ आकर्षित हो रहे हैं और आकर के यहां अपने प्रतिष्ठान के साथ सेवा भी कर रहे हैं। इसी क्रम में बाईपास हनुमान गुफा तिराहा पर स्थित श्री संकट मोचन हनुमान किला में सेवा के उद्देश्य से अयोध्या उडुपी किचन का उद्घाटन हनुमानगढ़ी महंत रामकुमार दास और आश्रम के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास श्री राम कथा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता चंद्रांशु महाराज ने किया। इस दौरान मुख्यातिथि अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह और अयोध्या के मेयर महंत गिरिश पति त्रिपाठी भी मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत अयोध्या उडुपी किचन के संचालक शशिकांत शर्मा , रविकांत कामत नीरज सी जैन

ने किया। इस अवसर पर सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि अयोध्या त्रेता युग से सेवा के लिए जानी जाती है राजा दशरथ प्रभु श्री राम का पूरा वंशज ब्राह्मण संत गौ माता की रक्षा करता था उनकी सेवा करता था 500 वर्षों के संघर्षों के बाद वह मंदिर में विराजमान हो गए हैं तो पूरा भारत के लोग अयोध्या में अपनी सेवाएं दे रहे हैं उसी में शशिकांत शर्मा भी आज से सम्मिलित हो गए हैं जो दक्षिण भारत के व्यंजन का स्वाद अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को कराएंगे। महंत रामकुमार दास ने कहा कि यह बहुत पुनीत कार्य है। महंत परशुराम दास ने बताया कि आश्रम में अन्नक्षेत्र पहले से अब श्रद्धालु दक्षिण भारत के व्यंजन का स्वाद लेंगे। शशिकांत शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहां की अयोध्या में इडली डोसा सांभर चावल दाल रसम जैसे दर्जनों प्रकार के व्यंजनों से श्रद्धालुओं की सेवा करूंगा। इस अवसर पर तेरह भाई त्यागी खाक चौक मंदिर मुख्य पुजारी महंत रामचरण दास ,हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी रमेश दास, महंत विजय राम दास मधुकरिया सत एमबी दास ने सभी को आशीर्वाद दिया ज्वाला सोनी सहित सैकड़ो लोग मोजूद रहे।

नेहरू स्टेडियम से अतिक्रमण हटाने के आदेश

संवाददाता–गोण्डा। डीएम नेहा शर्मा ने जनपद के नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार के पास हो रहे अनाधिकृत निर्माण को रोककर सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के आदेश जारी किए हैं। एसडीएम सदर को इस कार्यवाही को सुनिश्चित करने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। डीएम ने निर्देश दिया है कि एसडीएम सदर को नायब तहसीलदार के नेतृत्व में टीम गठित कर आगामी 31 मार्च तक कार्यवाही सुनिश्चित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार साइड की बाउन्ड्रीवाल और रोड के मध्य रिक्त भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अनधिकृत रूप से निर्माण गतिविधियां किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई थी। इस संबंध में उप जिलाधिकारी सदर को इस प्रकरण में तत्काल जांच कराते हुए स्टेडियम अथवा रोड साइड की भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बच्चे का अकारण परित्याग दंडनीय –सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष

संवाददाता–बहराइच। बाल कल्याण समिति अध्यक्षता की अध्यक्षता में विशेष पुलिस इकाई व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू व एसजेपीयू) की समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। सीडब्लूसी के अध्यक्ष सतीश कुमार श्रीवास्तव ने अवयस्क बालक एवं बालिकाओं के संबंध में विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि जेजे एक्ट 2015 की धारा 75 के तहत अकारण अपने बच्चे का परित्याग करना दंडनीय अपराध है।

उन्होंने बताया कि प्रायरू परिवार की लड़कियों के घर छोड़कर भाग जाने की प्रथम सूचना रिपोर्ट तो परिवार की ओर से थाने में दर्ज कराई जाती है, किन्तु पुलिस की ओर से उनकी बालिका को बरामद किए जाने पर अधिकांश लोग अपनी बालिकाओं को परिवार में लेने से मना कर देते हैं। यह विधिक दृष्टि से अपनी बालिका के प्रति क्रूरता है। इसके लिए प्रावधान है कि ऐसे माता–पिता को तीन वर्ष तक के कारावास की सजा व एक लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि सात वर्ष से कम आयु के बालक की ओर से किया गया कार्य कोई अपराध नहीं है, और सात से 12 वर्ष से कम आयु के अपरिपक्व समझ के बालक का कार्य भी किसी अपराध की श्रेणी में नहीं आता है।

उन्होंने बताया कि पॉक्सो एक्ट 2012 की धारा 19 व 20 के अनुसार यदि पुलिस को सूचना दिए जाने पर पॉक्सो पीड़िता की एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है, तो संबंधित पुलिस अधिकारी को धारा 21 के तहत छह मास तक के कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि अवयस्क बालिकाओं की सहमति विधिक दृष्टि से मान्य नहीं है।

उनकी ओर से दिए गए बयान के तहत धारा 161 व 164 सीआरपीसी में उनके साथ घटित अपराध के लिए मान्य होता है। उन्होंने पॉक्सो एक्ट की धारा 27 सब क्लाज तीन व चार का उल्लेख करते हुए बताया कि बालिका की चिकित्सीय परीक्षा मां अथवा किसी ऐसी महिला की उपस्थिति में की जाएगी, जिस पर पीड़िता विश्वास करती हो। इस बैठक को सीओ पुलिस लाइन वह एसजीपीओ प्रभारी पुलिस इंस्पेक्टर विवेक यादव ने भी संबोधित किया। बैठक में मेडिकल कालेज अस्पताल के एनेस्थेसिस्ट, श्रम परिवर्तन अधिकारी, एसएसबी की इंस्पेक्टर, वन स्टॉप प्रभारी, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं जनपद के सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारी पुलिस सब इंस्पेक्टर तथा महिला आरक्षी उपस्थित रहीं।

हनुमानगढ़ी के दर्शन मार्ग पर श्रद्धालुओं को सुविधा उपलब्ध कराये प्रशासन

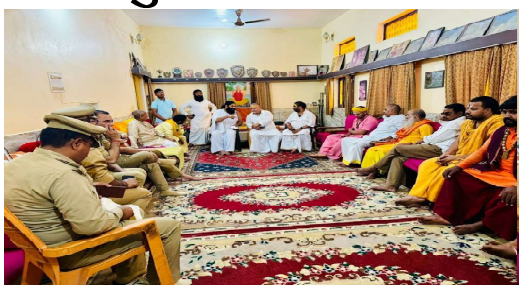

संवाददाता–अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में उमड़ा जनसैलाब प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या आ रहे हैं श्री राम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन पूजनके साथ हनुमानगढ़ी पहुंचकर हनुमान जी महाराज दर्शन कर रहे हैं यह संख्या कम होने के बजाय दिनों दिन बढ़ती जा रही है जिसको देखते हुए हनुमानगढ़ी मंदिर प्रबंधन ने प्रशासन से बात कि हनुमानगढ़ी में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए नहीं तो कोई अप्रिय घटना घट सकती है। अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट हनुमानगढ़ी के महंत ज्ञान दास महाराज के शिष्य संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने प्रेस को बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में दर्शनार्थियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और अयोध्या में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु हनुमान जी महाराज को को प्रसाद चढ़ना चाहता और यह संख्या चौत्र रामनवमी में कई गुना बढ़ जाएगी इसलिए श्रृंगार हॉट वॉरियर से हनुमानगढ़ी तक श्रद्धालुओं के लिए रोड पर कारपेट बिछाई जाए, धूप से बचने के लिए टीन सेट लगाया जाए पानी की व्यवस्था की जाए और एक एम्बुलेंस इमरजेंसी के लिए हनुमानगढ़ी पर खड़ी रहे जिसमें डॉक्टर प्राथमिक उपचार हो। उन्होंने यह भी बताया यात्रियों के सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन भी व्यवस्था कर रहा है जल्द से जल्द निकासी द्वार चौड़ा हो जाएगा जिसमें सुगमता से आम श्रद्धालु दर्शन पूजन कर सकेंगे विप श्रद्धालुओं की भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि डीएम साहब से बात हुई एसपी साहब से बात हुई महापौर जी से बात हुई कुछ अधिकारी यहां बैठक में आए हुए हैं जिनके साथ वार्ता चल रही है और सब लोग आश्वासन दिए हैं सभी व्यवस्थाएं जल्द ही दुरुस्त कर ली जाएगी।हनुमानगढ़ी गाड़ी गद्दी नशीन महंत प्रेमदास महाराज के शिष्य महंत डॉ महेश दास महाराज ने बताया जबसे गर्मी बढ़ी भीड़ के कारण कई श्रद्धालु मूर्छित हो गए हैं जिनको आश्रम में ले जाकर के पानी पिलाया गया हवा की व्यवस्था की गई तब जाकर के वह कुछ स्वस्थ्य हुए और अपने स्थान पर गए यह क्रम निरंतर जारी है ऐसे में प्रशासन से हम लोग मांग करते हैं की बुनियादी व्यवस्था को दुरुस्त जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो पानी डॉक्टर यह सब उपलब्ध हूं और महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था कराई जाए क्योंकि दर्शन में समय लगता है और सबसे बड़ी परेशानी माता बहनों को होती है। इस दौरान हनुमानगढ़ी के महंत बलराम दास,राजेश पहलवान वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास भी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र मतदान के लिए करें अपराधियों पर कार्रवाई –एसपी

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निश्पक्ष तरीके से कराने के लिए पुलिस लाइन में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें एसपी ने सभी थानाध्यक्षों और चौकी प्रभारियों को चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन कराने तथा स्वतंत्र मतदान के लिए अपराधियों पर कार्रवाई करने की बारीकी बताई।

पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यशाला में बोलते हुए घनश्याम चौरसिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में कराना है। इसके लिए सभी थानाध्यक्ष अपने–अपने क्षेत्र में पड़ने वाले मतदेय स्थलों का भ्रमण करें तथा क्षेत्र के गुण्डा, हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करें। इसके साथ ही लाइसेंसी शस्त्रों की चेकिंग व जमा कराएं,क्षेत्र में जातीय, साम्प्रदायिक तनाव की जानकारी करते हुए आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करें,अवैध शस्त्रों, विस्फोटकों, शराब भट्ठियों की जानकारी कर कानूनी कार्रवाई करें। इसके साथ ही मतदेय स्थलों पर पोलिंग पार्टी तथा पुलिस बल के पहुंचने के लिए रास्तों का मानचित्र बनाएं।

एसपी ने कहा कि सुबह छह बजे से पूर्व व रात 10 बजे के बाद बिना अधिकृत अधिकारियों की अनुमति लिए कोई भी स्थायी लाउडस्पीकरों व वाहनों में लगे लाउडस्पीकरों का प्रयोग प्रतिबन्धित है। इसलिए इस पर सख्त कदम उठाएं। इसके साथ ही चुनाव दिवस से 48 घण्टे पूर्व जुलूस व प्रचार आदि पर सख्त कार्रवाई करें। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अत्याधुनिक संसाधनों जैसे संचार माध्यमों के लिए स्टैटिक सेट,हैण्ड हेल्ड वॉयरलेट सेट को प्रत्येक थाना व सर्किल में स्थापित करा लें और आवागमन के लिए पर्याप्त मोटरसाइकिलों की व्यवस्था कर ली जाए। इसके साथ ही दंगा नियंत्रण उपकरण, नाइटविजन डिवाइस, जीपीएस व दूरबीन आदि यन्त्रों की व्यवस्था कर लें। इस दौरान सीओ जमुनहा सतीश कुमार शर्मा,प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, प्रभारी चुनाव सेल गौरव सिंह के साथ ही प्रभारी मीडिया सेल अमित कुमार सिंह, विशुनदेव पाण्डेय, संदीप कुमार सहित सभी थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

डीएम ने जिले में लागू किया धारा 144, जूलूस–प्रदर्शन पर रोक

संवाददाता–संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश में हाई एलर्ट होते ही बृहस्पतिवार रात दस बजे संत कबीर नगर के डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने जिलेभर में धारा 144 लागू कर दी गई है। इस अवधि में बिना अनुमति सभी प्रकार के जुलूस आदि प्रतिबंधित रहेंगे। शुक्रवार को इसे लेकर डीएम ने अधिकारियों संग बैठक की और निर्देश दिया कि किसी सामान्य या राहगीर को अनुचित तरीके से परेशान न किया जाए। अगर कोई शांतिभंग करते दिखे तो पहले समझाएं, उचित लगे तो कार्रवाई करें। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सभी जिलों में पुलिस का कड़ा पहरा है। पूरे उत्तर प्रदेश में आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी गई है।

ऐसे में सुरक्षा के साथ किसी प्रकार के जूलूस, भाषण, प्रचार या अन्य गतिविधियों पर रोक रहेगी। बृहस्पतिवार की रात में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस के अधिकारियों ने भी बाजार, चौराहों के साथ अन्य इलाकों में गश्त की। डीएम महेंद्र सिंह तवंर ने बताया कि सभी प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी सामान्य जन को किसी प्रकार की दिक्कत परेशानी नहीं होने दी जाएगी। लेकिन, नियम और कानून का पालन करने में उन्हें भी प्रशासन और पुलिस का पूरा सहयोग करना होगा।

परिषदीय विद्यालय के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता–बस्ती। परिषदीय विद्यालय गणेशपुर द्वितीय में वार्षिक उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने रोचक सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत कर संदेश दिया।

कार्यक्रम में मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप – प्रज्वलन एवं माल्यार्पण राजेश पाठक ने किया। बच्चों ने सरस्वती वंदना,नुक्कड़ नाटक ,चौपाल और विविध प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों, अभिभावकों एवं ग्राम वासियों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम में ड्रॉप आउट बच्चे जो शिक्षा की मुख्य धारा में जुड़े तथा नियमित उपस्थिति समेत कई मेधावी बच्चों को तथा उनके अभिभावकों को जनपदीय उपाध्यक्ष एवं सदर ब्लाक के अध्यक्ष शैल शुक्ला और संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में शैल शुक्ला ने कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण और सराहनीय पहल हमारे विद्यालय परिवार के द्वारा ब्लॉक स्तरीय समय–समय पर आयोजित किए जाते हैं, और कहीं न कहीं ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में जागरूकता के साथ साथ काफी कुछ सीखने और करने के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं,,नये शैक्षिक सत्र में पदाधिकारी साथियों एवं शिक्षिका बहनों से शिक्षकों से नवीन नामांकन बढ़ाये जाने पर जोर देते हुये श्री शुक्ल ने कहानियमित रूप से पठन–पाठन को मजबूत कर अभिभावकों का विश्वास जीतना होगा।

वार्षिकोत्सव में विद्यालय प्रधानाध्यापिका श्रीमती आभा श्रीवास्तव एवं विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिन शुक्ल और राघवेन्द्र पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय के रागिनी, अंजली, काजल, सुमन, कविता, किरन आदि ने रोचक सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ए0आर0 पी0 अविनाश शुक्ल, उमाशंकर तथा वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती सरला पाण्डेय,प्रेमलता श्रीवास्तव , सुषमा सिंह गजला खातून , शशिकला के साथ अन्य वरिष्ठ शिक्षक एवं शिक्षिका व ग्राम सभा के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक अप्रैल से महंगी हो जाएंगी जीडीए की संपत्तियां

संवाददाता–गोरखपुर। एक अप्रैल से गोरखपुर विकास प्राधिकरण की सम्पत्तियों में बढ़ोतरी हो जाएगी। हालांकि पिछले वर्षों की अपेक्षा इस बार प्राधिकरण ने बढ़ोतरी में राहत दी है। आवासीय सम्पत्तियों में पांच फीसदी की बचत होगी। वहीं व्यावसायिक सम्पत्तियों में छह फीसदी की बचत होगी। लेकिन पिछले वर्ष की अपेक्षा आवासीय सम्पत्तियां 10 फीसदी और व्यावसायिक सम्पत्तियां 06 फीसदी ज्यादा महंगी हो जाएगी। 31 मार्च तक सम्पत्ति की खरीद के लिए पंजीकरण करने वालों को पुरानी दर ही चुकानी होगी। नियमानुसार प्राधिकरण नए वित्त वर्ष यानी एक अप्रैल से अपनी आवासीय संपत्ति की कीमतों में 15 फीसदी और व्यावसायिक संपत्तियों की कीमतों में 18 प्रतिशत का नियमित इजाफा करता रहा है। इस साल आवासीय संपत्ति में 10 प्रतिशत और व्यावसायिक संपत्तियों की कीमतों में 12 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी का एलान किया है। एक अप्रैल से प्रभावी होने वाली इन कीमतों पर प्राधिकरण की संपत्तियों को खरीदने वालों को पांच से छह फीसदी की बढ़ी राहत मिलेगी। प्राधिकरण की कई संपत्तियां बिक नहीं पाने के कारण अलोकप्रिय की श्रेणी में पहुंच गईं। शासन स्तर पर वार्ता के बाद अगस्त 2023 में गोरखपुर विकास प्राधिकरण बोर्ड की 124 वीं बोर्ड बैठक में दरों को कम करने का प्रस्ताव रखा गया था।

पंफलेट पर अंकित करने होंगे मुद्रक और प्रकाशक के नाम

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में लोकसभा चुनाव में पंफलेट व पोस्टर पर मुद्रक व प्रकाशक का नाम अंकित होना अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं तीन दिन के अंदर यह भी बताना होगा कि कितनी प्रतियां छापी गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने जिले के सात प्रिंटिंग प्रेसों को सूची प्रकाशित की है। इन प्रिंटिंग प्रेसों को निर्वाचन में बैनर पोस्टर, पंपलेट छापने के साथ उस पर नाम व पता स्पष्ट अंकित करना होगा। इसके अलावा प्रकाशन के तीन दिन के अंदर निर्वाचन कार्यालय को यह भी बताना होगा कि कितनी प्रतियां अंकित की गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय से दुर्गा कांपी हाउस, गुप्ता आफसेट एंड प्रिंटर्स, आरके आफसेट प्रेस, को पूरा विवरण जारी किया गया है।

छत के ऊपर से तार हटवाने के लिए 50 हजार रुपये घूस लेते जेई गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में एंटी करप्शन टीम ने खलीलाबाद में शुक्रवार की दोपहर बिजली विभाग के एक जेई को पचास हजार रुपए घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। टीम जेई और उसके एक सहयोगी को गिरफ्तार कर कोतवाली खलीलाबाद ले आई। यहां दोनों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही थी। जानकारी के अनुसार महुली थाना क्षेत्र के हरिहरपुर निवासी सुजीत सोनकर के घर के ऊपर से बिजली का तार गुजरा है।

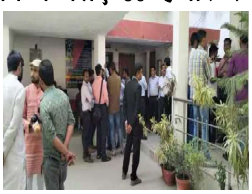

इसे हटाने के लिए हरिहरपुर विद्युत उपकेन्द्र के जेई अश्विनी पांडेय से कहा। जेई ने इसे हटाने के लिए 50 हजार रुपए की मांग की। बात न बनने पर सुजीत सोनकर ने एंटी–करप्शन टीम से शिकायत की। एंटी करप्शन टीम ने मामले की जानकारी कर जाल बिछाया। केमिकल लगे नोट देकर जेई को देने के लिए भेजा। खलीलाबाद के पुरानी तहसील के पास जेई अश्विनी पांडेय को शिकायतकर्ता से घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके साथ सहयोगी को गिरफ्तार किया है। अवर अभियंता बलिया के रहने वाले हैं। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई है। एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही थी।

भारत– नेपाल सीमा पर 2 करोड़ की चरस के साथ नेपाली महिला तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। नेपाल से मादक पदार्थों की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही। भारत नेपाल सीमा पर गुरुवार को पुलिस और एसएसबी के संयुक्त चेकिंग अभियान में एक नेपाली महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। जवानों ने तलाशी के दौरान उसके पास से 7.4 किलोग्राम चरस बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत दो करोड रुपये बताई जा रही है।

बहराइच जिले के भारत नेपाल सीमा रुपईडीहा चेक पोस्ट पर चलाए गए चेकिंग अभियान में पुलिस और एसएसबी के जवानों को बडी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नेपाली महिला तस्कर को पकड़ा है। तलाशी के दौरान उसके पास से 7.4 किलो चरस बरामद हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 2 करोड रुपये बताई जा रही है। गुरुवार को पुलिस और एसएसबी के जवान आने जाने वाले लोगों को चेक कर रहे थे। इस दौरान उन्हें नेपाल की तरफ से एक महिला आती हुई दिखाई पड़ी। जवानों ने महिला को रोककर तलाशी लिया। तो पुलिस भी दंग रह गई। महिला के पास से एक थैला में 7.4 किलो ग्राम चरस बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका मूल्य 2 करोड रुपए है। पकड़ी गई महिला तस्कर सयपुरा बुधा पुत्री मन बहादुर बुधा नेपाल राष्ट्र के रुकुम जिला की रहने वाली है। पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बहराइच जिले के रुपईडीहा थाना के प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि चेक पोस्ट पर पुलिस और एसएसबी के जवान आने जाने वाले लोगों को चेक कर रहे थे। इस दौरान एक संदिग्ध महिला दिखाई पड़ी। उसे रोककर पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से 7.4 किलोग्राम चरस बरामद हुआ। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मुख्तार की मौत के बाद जुमा पर भी पुलिस रही अलर्ट

संवाददाता–गोरखपुर। बाहुबली मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर गोरखपुर पुलिस अलर्ट हो गई है। शहर के संवदेनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। वहीं हाईवे पर भी वाहनों की चेकिंग की जा रही है। बीट सिपाही से लेकर थानेदार और पुलिस अफसर सड़क पर हैं। संदिग्ध व्यक्ति और वस्तुओं की चेकिंग की जा रही है। मुख्तार का गोरखपुर कनेक्शन नहीं था मगर पुलिस एहतियात बरत रही है। जुमा पर पुलिस खास तौर से अलर्ट रही।

गुरुवार की रात में माफिया मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ने के बाद से ही पुलिस अलर्ट हो गई थी। अफसरों ने बैठक शुरू की। थानेदारों से रात में दस बजे से 12 बजे तक सड़क पर चेकिंग का निर्देश दिया गया। वहीं संवेदनशील इलाकों में गश्त करने के लिए कहा गया। करीब साढ़े दस बजे मुख्तार की मौत की जैसे ही पुष्टि हुई पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई। एसएसपी, डा. गौरव ग्रोवर, एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई अपनी टीम के साथ शहर में भ्रमण में निकले। संवेदनशील इलाकों कोतवाली, गोरखनाथ, तिवारीपुर व राजघाट में गश्त बढ़ा दी गई और वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई। हाईवे पर भी वाहनों की चेकिंग की गई। एक–एक वाहनों की जांच करने के बाद ही आगे जाने दिया जा रहा है। संदिग्धों पर खास नजर है। हाईवे पर चार पहिया वाहनों की डिग्गी खोलकर देखी गई। स्थानीय खुफिया एजेंसी को भी अलर्ट किया गया है। रमजान के महीने में कोतवाली और तिवारीपुर इलाके के कुछ चौराहे देर रात तक गुलजार रहते हैं वहां की दुकानें भी खुली रहती हैं। लिहाजा वहां मुख्तार की मौत को लेकर चर्चा जारी रही। दूसरी तरफ पुलिस भी उन इलाके में ज्यादा सक्रिय रही। मुख्तार की बीमारी से हुई मौत के बाद बेवजह का अफवाह फैला कर कोई तनाव न पैदा करे इसको लेकर जुमा पर भी पुलिस खात तौर पर अलर्ट है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गोरखपुर से मुख्तार का कोई कनेक्शन कभी सामने नहीं आया है। यहां मुख्तार पर कभी कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

पिंजरे में कैद हुई आतंक का पर्याय बनी मादा भेड़िया दो मासूमों की जान ली और कई को किया घायल

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बीते कुछ महीनों से आतंक का पर्याय बनी मादा भेड़िया बुधवार की रात पिंजरे में कैद हो गई। उसके साथ उसका तीन माह का नर बच्चा भी पिंजरे में कैद हुआ। सुबह भेड़िए के पकड़े जाने की सूचना पर भारी मात्रा में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। स्वास्थ्य परीक्षण में दोनो भेड़िए एक दम स्वस्थ्य मिले हैं। बहराइच वन प्रभाग के हरदी थाना क्षेत्र में बीते कई दिनों से लगातार भेड़िए के हमले की घटनाएं हो रही थी जिससे थाना क्षेत्र के दर्जनों गांवों में दहशत की स्थिति बन गई थी और लोग घरों से निकलने से भी कतरा रहे थे। वन विभाग की टीमें पांच स्थानों पर पिंजरा के साथ–साथ ट्रैपिंग कैमरे लगाकर भेड़िए को पकड़ने के लिए कांबिंग कर रही थी। बुधवार की रात सिसैया चूड़ामड़ी में लगे पिंजरे में आतंक का पर्याय बनी मादा भेड़िया अपने बच्चे के साथ कैद हो गई जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बताते चलें कि भेड़िया बीते शनिवार को ग्राम पंचायत महसी के मजरा

नयापुरवा निवासी छोटू (1.5 वर्ष) को मां आशिया बेगम के पास से दबोच ले गया था जिसका क्षत विक्षत शव रविवार की सुबह गांव से दो किमी दूर खेतों में पड़ा मिला था। वहीं मंगलवार की रात बंभौरी निवासी हफीजा (70) को भी घायल कर दिया था। इससे पूर्व ग्राम पंचायत बंभौरी पांडेपुरवा के मिश्रनपुरवा निवासी तीन वर्षीय सायरा को उठा ले गया था। जिसका आज तक कोई अता पता नहीं लगा। भेड़िए ने औराही निवासी राहुल (6), वरमापुरवा निवासी ननकई (14), काजल (12) व जागीर निवासी तबस्सुम (35) समेत दर्जनों लोगों को घायल किया था।

डिप्टी रेंजर अमित वर्मा ने बताया कि पकड़े गए भेड़ियों का स्वास्थ्य परीक्षण कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तैनात पशु चिकित्सक डॉ. दीपक वर्मा ने किया है। रिपोर्ट में मादा भेड़िया की उम्र लगभग पांच से छह वर्ष व नर बच्चे की उम्र लगभग दो से तीन माह है। दोनो पूरी तरह स्वस्थ मिले हैं। बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ संजीव कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण में दोनो स्वस्थ मिले हैं। उन्हें छोड़ने को लेकर उच्चाधिकारियों से पत्राचार किया गया है। उनके निर्देशानुसार पकड़े गए भेड़ियों को चिड़ियाघर या जंगल में छोड़ा जाएगा।

सभी विभाग अपना माइक्रो प्लान उपलब्ध कराएं –एसडीएम

संवाददाता–बहराइच। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान,नियमित टीकाकरण व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ कार्यक्रम संचालन को गुरुवार को तहसील स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक तहसील सभागार में हुई। एसडीएम दिनेश कुमार ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि अपना माइक्रो प्लान उपलब्ध करा दें। ग्राम स्तर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाएं। आशा और आगनबाड़ी घर–घर जाकर के लोगों को इस अभियान के बारे में जागरूक करें। साथ ही जो भी कुपोषित बच्चे पाए जाएं उनका समुचित इलाज किया जाए।

एसडीएम दिनेश कुमार ने विकास विभाग को निर्देशित किया कि सभी ग्राम प्रधान और सचिवों के साथ बैठक करके नाली और तालाबों में जो गंदगी है उसको साफ कराएं, ताकि डेंगू मलेरिया का प्रकोप कम किया जा सके। एंटी लारवा का छिड़काव कराएं। नगर पंचायत पयागपुर को निर्देशित किया गया कि बेहतर सफाई व्यवस्था नगर क्षेत्र में कराएं। एक अप्रैल से शुरू होने वाले स्वच्छता पखवाड़े का जोर– शोर से अभियान चलाएं। स्वास्थ्य विभाग ग्राम स्तर पर ग्राम प्रधान एएनएम आशा आंगनबाड़ी के सहयोग से ग्राम स्तर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों व टीकाकरण कार्यक्रम संचालित करें। शिक्षा विभाग के नोडल शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में बच्चों को स्वच्छता संचारी रोग से बचाव बुखार होने पर क्या करें, क्या न करें इस पर चर्चा अवश्य करें।

संचालन बीपीएम सीएचसी पयागपुर अनुपम शुक्ल ने किया। अधीक्षक सीएचसी पयागपुर डॉ. थानेदार ने बताया एक से 30 अप्रेल तक दस्तक अभियान में आशा आंगनबाड़ी की ओर से गृह भ्रमण के दौरान, बुखार के रोगी, आईएलआई संक्रमण संभावित, क्षय रोग लक्षण युक्त, कुपोषित बच्चों,अधिक मच्छर प्रजनन वाले घरों की सूची आनलाइन करेंगी। उन्होंने अभिवावकों से अपील की कि बच्चों व गर्भवती को 12 गंभीर बीमारी से बचाव का टीकाकरण किया जा रहा है, सभी निर्धारित समय पर बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं। सभी विभागाध्यक्ष अपने ग्राम स्तरीय टीम के कार्यों का पर्यवेक्षण अवश्य करें।

बैठक में चिकित्सा प्रभारी डॉ. धीरेंद्र तिवारी, डॉ. आभाष अंकुर श्रीवास्तव, अमरसेन एचईओ, सीडीपीओ अनिल पाण्डेय, साधना द्विवेदी, श्यामा शर्मा, बीईओ वीरेंद्र नाथ द्विवेदी, कमलेश मिश्रा व बीपीएम ममता मिश्रा, डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि नीतू मिश्रा पर्यवेक्षक मनीष द्विवेदी व पवन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

युवाओं को जो देगा रोजगार, उसी की बनाएंगे सरकार

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर युवाओं में काफी उत्साह दिख रहा है। युवा छात्र लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान को आतुर हैं। वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो रोजगार परक शिक्षा का बढ़ावा दे। जिले में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की कमी है, जिसे दूर करने पर युवाओं का जोर है। छात्र रोजगार के लिए सरकारी नौकरी का प्राथमिकता नहीं देते हैं। उनका कहना है कि उद्योग धंधों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। छात्रों ने तकनीकी व रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया। यह भी कहा कि शिक्षित होने का मतलब नौकरी करना ही नहीं होता। शिक्षित व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। युवाओं ने शत प्रतिशत मतदान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने का दावा किया। कहा कि अधिकाधिक मतदान से सही व्यक्ति का चुनाव होता है। कम मतदान होने पर जीत हासिल करने वाले सांसद को लोकप्रिय का दर्जा नहीं दिया जा सकता। युवाओं का जोर नई शिक्षा नीति पर भी है। उनका मानना है कि समय–समय पर नीति परिवर्तन से शिक्षा के स्तर में सुधार आता है। जिस तरह मोटर व्हकिल अधिनियम व अन्य कानूनों में परिवर्तन किया गया है उसी तरह शिक्षा अधिनियम में भी बदलाव आवश्यक है। छात्रा अंकिता, रूबी, शिव मोहनी, राज कुमारी, सिरोही आदि ने महिलाओं की शिक्षा को जरूरी बताया है। कहा कि ऐसा कानून बनाया जाए जिससे बेटियों को शिक्षा के लिए आर्थिक तंगी से न जूझना पड़े। यदि बेटी अकेली है तो उसकी शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए। छात्र रोशन, अमित, आनंद आदि बोले कि बुनियादी शिक्षा मजबूत होने पर ही भविष्य संवर सकता है। बेसिक शिक्षा के तहत संचालित परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति को शत प्रतिशत अनिवार्य किया जाए।

शक्षकों की उपस्थिति के साथ–साथ उनके दायित्व निर्वहन पर कानून बनाने की जरूरत है। छात्रों ने सामान्य मुद्दों पर भी चर्चा की। राहुल, विनोद पाण्डेय, रोशनी, आलिया आदि बोलीं कि चुनाव में ऐसे प्रत्याशी को मतदान करें, जो शिक्षित होने के साथ–साथ संस्कारिक हो। अपराधी प्रवृत्ति के प्रत्याशी को मतदान कभी न करें। बेरोजगारी का रोना रोने से अच्छा कुछ कर गुजरना होता है। जिसमें क्षमता होती है उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। हर बात में सरकार से सहयोग की अपेक्षा करना गलत है। खुद में भी क्षमता पैदा करना जरूरी है।

रात में डाक्टर बनकर पूछता था मरीजों का हाल, मौका मिलते ही मोबाइल पर हाथ साफ कर देता था, पकड़ा गया

संवाददाता–गोण्डा। महाराजा देवीबख्श सिंह चिकित्सा महाविद्यालय में एक चोर डॉक्टर की वर्दी पहनकर मरीजों का हालचाल पूछता था और मौका मिलते ही तीमारदारों के मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर लेता था। बृहस्पतिवार को डॉक्टर बने चोर के पकड़े जाने पर मामले का खुलासा हुआ। तीमारदारों व स्वास्थ्यकर्मियों ने पकड़े गए चोर की पिटाई कर कोतवाली नगर की पुलिस के हवाले कर दिया। तीमारदारों ने बताया कि पकड़ा गया चोर एप्रेन पहनकर और मुंह में मास्क लगाकर हर रोज रात में वार्ड में राउंड करता था। बुधवार रात को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी गई। सिविल ड्रेस में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने चोर को धर दबोचा। पिछले दो दिनों में परसपुर निवासी रामावती, पूरेलली निवासी अरविंद पांडेय, बालपुर निवासी पिंकू दूबे, परसपुर के शिवा सिंह, बेनीपुर निवासी सम्मयदीन, उमरी बेगमगंज निवासी रंग बहादुर सिंह तथा पेडारन निवासी अर्जुन कुमार की मोबाइल चोरी हो चुकी है। आरोपी से कोतवाली नगर में पूछताछ की गई।

वैदिक मंत्रों के साथ बटुक ब्राह्मणों का उपनयन संस्कार व सामूहिक यज्ञोपवीत का कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता–अयोध्या। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद द्वारा बृहस्पतिवार चौत्र मास की तृतीया के शुभ मुहूर्त में सैकड़ो की संख्या में ब्राह्मण बटुकों का उपनयन संस्कार आचार्य वीरेंद्र द्विवेदी वैदिक के आचार्यत्व में स्थान श्री गोपाल मंदिर लक्ष्मण घाट अयोध्या धाम में कराया जा रहा है अखिल भारतीय चाणक्य परिषद प्रतिवर्ष सामूहिक यज्ञोपवीत कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है आज के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मण समाज में अपने ब्राह्मण संस्कारों को जागृत करना और यज्ञोपवीत संस्कार के प्रति ब्राह्मण बटुको में आदर और ब्राह्मणत्व को जागृत करना और ब्राह्मण समाज को अपने संस्कारों और समाज के प्रति सनातन धर्म के प्रति जागरूक करना है। सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन हुआ। आचार्यों के वैदिक मंत्रोच्चार व श्लोकों के बीच महिलाओं ने मंगल गीत भी गाए। इस मौके पर 16 बटुकों को दीक्षा दी गयी। प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पं दिलीप राम त्रिपाठी ने कहा कि लोहे से बना चाकू केवल आकार लेता है, लेकिन संस्कार के बाद चमक संपन्न होकर चाकू का कार्य करने लायक बनता है। जिससे बटुक ब्राह्मण में संस्कार का बीजारोपण हो इस मौके पर मुख्य रूप से अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पंडित राम अनुज तिवारी राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य राधेश्याम मिश्रा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महंत क्षीरेश्वर दत्त मिश्र राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पंडित जयप्रकाश तिवारी राष्ट्रीय सदस्य पंडित काशीनाथ तिवारी पंडित राजमनी तिवारी प्रदेश महामंत्री डॉ जय गुरुदेव शुक्ला कोषाध्यक्ष पंडित राधा रमण त्रिपाठी प्रदेश मंत्री महंत ओमप्रकाश मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष देवनारायण तिवारी गुरौली जिला उपाध्यक्ष रुपेश तिवारी जिला महामंत्री अंबरीश चंद्र पांडेय जिला संगठन मंत्री पंडित रामनयन पाठक जी मसौधा ब्लॉक सदस्य सूर्यकांत पांडेय विवेकानंद तिवारी डॉक्टर अरविंद कुमार द्विवेदी अयोध्या पंडित हरफूल मिश्रा पंडित कृष्ण कुमार पांडेय व मुख्य यजमान पंडित संजय मिश्रा और भारी संख्या में ब्राह्मण बटुकों का परिवार और ब्राह्मण समुदाय उपस्थित रहा कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय चाणक्य परिषद निःशुल्क परिषद के खर्चे पर वर्षों से आयोजित करता चला आ रहा है। मुख्य अतिथि जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी रामानुज जी महाराज डॉ श्यामधर तिवारी आचार्य हरफूल मिश्र विशिष्ट अतिथि डॉ कृष्ण कुमार पांडेय ज्योतिषाचार्य दीपक राम त्रिपाठी मौजूद रहे।

अर्द्धसैनिक बलों ने पुलिस टीम के साथ किया पैदल गश्त

संवाददाता–देवरिया। आगामी त्यौहार व लोकसभा चुनाव में शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखने को अर्द्धसैनिक बलों ने बुधवार को क्षेत्र में पैदल गस्त किया। अर्द्धसैनिक बलों ने रुद्रपुर सर्किल के थाना रुद्रपुर के संवेदनशील क्षेत्रों में सीओ अंशुमान श्रीवास्तव के नेतृत्व में थानाध्यक्ष रुद्रपुर रतन कुमार पाण्डेय मय पुलिस के साथ रूद्रपुर कस्बा, अतरंगी, बेलकुण्डा, लक्ष्मीपुर, लक्ष्मीपुर टढ़वा टोला, रामलक्षन, करिहवा, लुअठई, लुदई खोरमा, पचमा व भैंसहीं में भ्रमण किया।

जवानों ने आम जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करायी तथा निर्भीक होकर मतदान करने को जागरूक किया। मदनपुर में प्रभारी निरीक्षक रामाज्ञा सिंह व अर्द्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने क्षेत्र के कदमही, सोनकर बस्ती, खटिका टोला, पक्कड़ चौराहा, कोटिया मोहल्ला, गोला बनकट, पूर्वा मोहल्ला हाजीनगर, शेखटोला, अम्बेडकर नगर, केवटलिया, समोगर मोहरा, बराव, बहसुआ, महेन, नेतवार, गनियारी फरीदपुर, पहाड़पुर और देवपुर जयराम में भ्रमण किया। उन्होंने लोगों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करायी और निर्भीक होकर मतदान करने पर जोर दिया। एकौना में प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार व अर्द्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने नरायनपुर, सरांव खुर्द व पचलड़ी में पैदल गश्त किया।

मत प्रतिशत बढाने के लिये बस्ती में प्रवासी श्रमिकों को भेजा जा रहा है निमंत्रण पत्र

संवाददाता–बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन में 1.50 लाख प्रवासी श्रमिकों से आगामी 25 मई को मतदान कराकर लगभग 8 प्रतिशत अधिक मतदान कराने का लक्ष्य है। उक्त जानकारी जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी श्रमिकों को मतदान के लिए निमंत्रण पत्र एवं पोस्टकार्ड भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2019 के लोकसभा निर्वाचन में 57 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्तमान समय में जिले में 1890356 मतदाता है। इस प्रकार हम लगभग 65 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 25 मई को भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रत्येक मतदेय स्थल पर छाया एवं पेयजल की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, खंड विकास अधिकारी, डीआईओएस तथा बीएसए से जनपद के 2151 बूथों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त कर ली जाएगी। जिन मतदेय स्थलों पर कोई कमी पाई जाएगी, उसे 10 अप्रैल तक सही कर लिया जाएगा। सभी मतदेय स्थलों पर समय से विद्युतीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शिवहर्ष पीजी कॉलेज तथा किसान इंटर कॉलेज में प्रशिक्षण के लिए 22 कमरे चिन्हित किए गए हैं, जिसका कायाकल्प कराया जा रहा है। इसी प्रकार स्ट्रांग रूम के लिए तथा स्टेशनरी आदि रखने के लिए मंडी समिति में कुल 23 कमरे चिन्हित किए गए हैं। इसमें भी मरम्मत तथा रंगाई–पुताई का कार्य कराया जा रहा है। मतदान पार्टियों की रवानगी के लिए बसों के लिए अलग तथा कार्मिकों के वाहन के लिए अलग पार्किंग बनाई जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के 2151 मतदेय स्थान पर मतदान कराने के लिए कुल 11362 कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। जनपद में 10982 नियमित कर्मचारी की उपलब्धता है।

अवशेष 380 कर्मचारी की ड्यूटी शिक्षामित्र एवं संविदा कर्मी से चिन्हित करके लगाई जाएगी। इसके लिए चुनाव आयोग से अनुमति प्राप्त करने के लिए अनुरोध पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुल 125 अस्वस्थ कर्मचारियों में से 35 को मेडिकल बोर्ड के सामने परीक्षण के पश्चात ड्यूटी से मुक्त किया गया है। शेष की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त 20 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए हैं, जिनका वेतन रोकने की कार्यवाही की गई है।

यदि वे फिर भी ड्यूटी पर वापस नहीं आते हैं, तो उनका मूल वेतन पर भेजने की संस्तुति की जाएगी। लगभग 40000 कर्मचारियो के पोस्टलबैलेट तथा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट के आधार पर मतदान कराने की व्यवस्था कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि पचासी वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को चिन्हित करके उनके घर पर मतदान कराने की सुविधा प्रदान की जाएगी। उनके द्वारा मतदान करने की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। इसके लिए अलग से 40 मतदान पार्टियों का गठन किया गया है। क्षेत्र में मतदान कराने हेतु भेजने से पूर्व कार्मिकों का रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में कुल 194 बरनरेबुल तथा 289 क्रिटिकल बूथ हैं, जिसमें से सर्वाधिक 81 बस्ती सदर में हैं।

उन्होंने बताया कि इसका भी सत्यापन कराया जा रहा है तथा मतदान संपन्न होने तक इसकी संख्या में परिवर्तन हो सकता है। उन्होंने बताया कि कुल 7194 में से 4010 लाइसेंसी हथियार जमा कर लिए गए हैं। सर्वाधिक अवशेष असलहा कोतवाली में 878, लालगंज में 323 तथा नगर थाना क्षेत्र में 190 अवशेष हैं। यहां के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह एक सप्ताह के भीतर सभी असलहा जमा कराना सुनिश्चित करें। नॉन ट्रेसेबल असलहों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त करके निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद में रुचि वीरा सपा प्रत्याशी, एसटी हसन का नामांकन रद

मुरादाबाद (आभा)। मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी में छिड़ा संग्राम फिलहाल थम गया है। यहां भी आजम खान की ही चली और उनकी खास रुचि वीरा मुरादाबाद से सपा की प्रत्याशी होंगी। सपा से ही पर्चा दाखिल करने वाले मुरादाबाद के सांसद एसटी हसन का पर्चा खारिज हो गया है। डीएम डीएम मानवेंद्र सिंह के अनुसार हसन के पर्चा के साथ सपा का सिंबल नहीं होने के कारण पर्चा अधूरा रह गया और रद कर दिया गया है। पर्चा कटने पर हसन ने कहा कि पार्टी ने मुझे आदेश दिया था। उसी के अनुसार पर्चा दाखिल किया था। आज ही दूसरे प्रत्याशी की तरफ से पर्चा दाखिल की जानकारी मिली थी। पार्टी का हर फैसला स्वीकार है।

माना जा रहा है कि आजम खान के कड़े विरोध के बाद सपा को अपना फैसला बदलना पड़ा है। एसटी हसन ने कहा कि जब एक बार टिकट दे चुके थे तो कोई कारण तो नहीं था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ही बेहतर बता पाएंगे कि टिकट क्यों काटा गया है। सपा नेता ने कहा कि अखिलेश पार्टी के नेता हैं, जिसको चाहें लड़ाएं, जिसको चाहें ना लड़ाएं। एसटी हसन ने कहा कि टिकट होना या ना होना एसटी हसन की शख्सियत को खत्म नहीं कर सकता। जो आइडियोलॉजी हमारी है, जो आइडियोलॉजी मुलायम सिंह यादव की थी और जो आइडियोलॉजी अखिलेश यादव जी की है हम उसी के साथ हैं। सपा नेता ने कहा कि मैं मुस्लिम वर्ग से आता हूं, हिन्दुस्तान की तारीख में मुसलमान 70 सालों में सबसे ज्यादा दुखी है। उन्होंने (अखिलेश) ने ही मुझे पार्लियामेंट भेजा था। जाहिर है जो इंसाफ की बात होगी वही तो मैं करूंगा।

गौरतलब है कि आजम खान और अखिलेश यादव की हाल ही में सीतापुर जेल में मुलाकात हुई थी। इसके बाद ही एसटी हसन की उम्मीदवार पर अखिलेश ने कैंची चलाई है। आजम खान चाहते थे कि अखिलेश रामपुर से चुनाव लड़ें लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं हुए। इसके बाद रामपुर में आजम समर्थकों ने सपा का विरोध करना शुरू कर दिया और चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया। इसकी आंच मुरादाबाद तक पहुंच गई। इसके बाद टिकट में बदलाव किया गया है।

जिस तरह से हसन की जगह रुचि वीरा को टिकट मिला है। उसी तरह पिछले चुनाव में हसन को भी टिकट दिया गया था। पिछले चुनाव में भी अंतिम समय में टिकट बदला था। 2019 के लोकसभा चुनाव में पहले नासिर कुरैशी को सपा का टिकट मिला था। बाद में डा. एसटी हसन को टिकट थमा दिया गया। हसन जीते भी। नासिर कुरैशी को मुरादाबाद ग्रामीण सीट से विधानसभा चुनाव में 2022 में पार्टी ने प्रत्याशी बनाया और वह जीते भी।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी./82 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार
स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com